



भारत का राजपत्र The Gazette of India

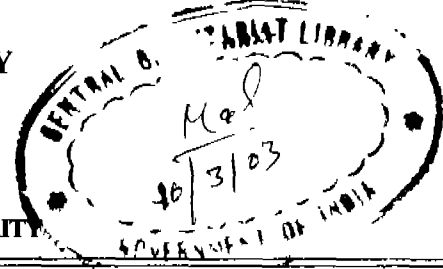
असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 267]

नई दिल्ली, शुक्रवार, अक्टूबर 11, 2002/आश्विन 19, 1924

No. 267]

NEW DELHI, FRIDAY, OCTOBER 11, 2002/ASVINA 19, 1924

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महाविदेशालय)

जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर, 2002

विषय : चीन, ताइपेई, इंडोनेशिया और फ्रांस को छोड़कर ईयू से कास्टिक सोडा के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच।

सं. 14/39/2002-डीजीएडी.—मै. अल्काली मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एएमएआई), दिल्ली ने सीमाशुल्क टैरिफ (संशोधन) अधिनियम 1995 तथा सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं का अभिज्ञान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियम 1995 के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें इसके बाद प्राधिकारी कहा गया है) के समक्ष याचिका दायर की है जिसमें चीन ताइपेई, इण्डोनेशिया और फ्रांस को छोड़कर ईयू (जिन्हें इसके बाद संबद्ध देश कहा गया है) से पाटन का आरोप लगाया गया है और पाटनरोधी जांच करने तथा जांच शुरु करने की तारीख से भूतलक्षी प्रभाव से पाटनरोधी शुल्क लगाने का अनुरोध किया है।

1. घरेलू उद्योग: यह याचिका घरेलू उद्योग की ओर से मै0 अल्काली मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एएमएआई) दिल्ली द्वारा दायर की गई है। यह एसोसिएशन भारत में कास्टिक सोडा के अधिकांश घरेलू विनिर्माताओं का प्रतिनिधित्व करती है। इस याचिका का

निम्नलिखित घरेलू उत्पादकों अर्थात् मै० डी सी डब्ल्यू लि०, मुम्बई, अल्कालीज एण्ड कैमिकल्स लि० बड़ौदा, मै० सर्चकैम इंडस्ट्रीज लि०, मुम्बई, मै० ग्रासिम इंडस्ट्रीज लि०, नागदा (म०प्र०), मै० एसआईईएल कैमिकल कंपलैक्स, पंजाब, मै० बिहार कास्टिक एंड कैमिकल्स लि०, झाखंड, मै० जयश्री कैमिकल्स लि०, उड़ीसा और मै० आंध्रा सुगर्स लि०, तनाकू द्वारा स्पष्ट रूप से समर्थन किया गया है। इन याचिकाकर्ता कंपनियों का उत्पादनाधीन संबद्ध वस्तु का 40.09% हिस्सा बनता है और मै० इंडियन पेट्रोकेमिकल्स कारपोरेशन लि०, बड़ौदरा, मै० स्टैंडर्ड अल्काली, मुम्बई तथा मै० डीसीएम श्री राम कंसोलिडेटेड लि०, नई दिल्ली के साथ वे 55.67 % का हिस्सा रखते हैं। उपलब्ध साक्ष्यों के अनुसार वे पाटनरोधी नियमों के नियम 5 क अनुसार घरेलू उद्योग की ओर से पाटनरोधी जांच के लिए मामला दायर करने की स्थिति में हैं।

2. विचाराधीन उत्पाद: विचाराधीन उत्पाद सोडियम हाइड्रोक्साइड के रूप में ज्ञात उत्पाद है जो साधारणतः कास्टिक सोडा (जिसे इसके बाद संबद्ध वस्तु कहा गया है) के नाम से जाना जाता है। इसको रासायनिक रूप में NaOH के रूप में जाना जाता है। यह एक अकार्बनिक रसायन है और यह ज्ञागयुक्त, अत्यधिक अल्कलीन गंधहीन रसायन है। कास्टिक सोडा का अनुप्रयोग लुग्दी एवं कागज, अखबारी कागज, विस्कोस यार्न, स्टेपल फाइबर एल्युमिनियम, कॉटन और धुलाई साबुन, डिटर्जेंट, डाइस्टफ ड्रग्स और फार्मास्युटिकल, वनस्पति के विनिर्माण, पेट्रोलियम शोधन इत्यादि जैसे विभिन्न क्षेत्रों में किया जाता है। कास्टिक सोडा दो रूपों अर्थात् तरल और ठोस में उपलब्ध होता है। वर्तमान जांच में कास्टिक सोडा के सभी रूप शामिल हैं। कास्टिक सोडा सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 के उपशीर्ष सं० 2815.11 तथा 2815.12 के अध्याय 28 के अंतर्गत वर्गीकृत है, तथापि यह वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और वर्तमान जांच के दायरे पर यह किसी भी रूप में बाध्यकारी नहीं है। याचिका कर्ताओं ने उन रूपों/ग्रेडों जिसके तहत वे आयात हो रहे हैं का ध्यान रखे बिना जांचाधीन उत्पाद के खिलाफ पाटनरोधी जांच शुरू करने का अनुरोध किया है।

3. शामिल देश: वर्तमान जांच में शामिल देश चीन ताइपेई, इण्डोनेशिया और फ्रांस को छोड़कर ईयू (जिन्हें इसके बाद संबद्ध देश कहा गया है) हैं।

4. समान वस्तु: घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और संबद्ध देशों से आयातित कास्टिक सोडा की कार्य विशिष्टताओं, उपयोग, उत्पाद विशिष्टता, कीमत, वितरण एवं विपणन और वस्तुओं के टैरिफ

वर्गीकरण तुलनीय हैं। यह दोनों तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं और इनका एक दूसरे के स्थान पर उपयोग किया जाता है। अतः जांच के प्रयोजनार्थ याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित कास्टिक सोडा को पाटनरोधी नियमों के अर्थों के भीतर संबद्ध देशों से आयातित कास्टिक सोडा (जिसे इसके बाद संबद्ध वस्तु कहा गया है) के समान उत्पाद के अनुरूप माना जा रहा है।

5. सामान्य मूल्य प्राधिकारी नोट करते हैं कि याचिकाकर्ता ने प्रमुख अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका अर्थात् क्लोर अल्काली से याचिकाकर्ता द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के आधार पर चीन ताइपेई, इंडोनेशिया और फ्रांस को छोड़कर ई.यू. में संबद्ध वस्तुओं के सामान्य मूल्य का दावा किया है। क्लोर अल्काली ने चीन, ताइपेई, इंडोनेशिया और फ्रांस को छोड़कर ईयू में घरेलू बाजार में कास्टिक सोडा की कीमतों की सूचना दी है। इस प्रकार प्राधिकारी ने प्रथम दृष्टया याचिकाकर्ता द्वारा यथा उपलब्ध कराए गए उत्पादन की परिकलित लागत के आधार पर संबद्ध देशों में संबद्ध वस्तुओं के सामान्य मूल्य पर विचार किया है और प्राधिकारी द्वारा जांच आरंभ करने के प्रयोजनार्थ इस पर विचार किया गया है।

6. निर्यात कीमत: वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय कोलकाता से उपलब्ध और गौण स्रोतों से संकलित आंकड़ों के आधार पर निर्यात कीमत का दावा किया गया है। निर्यात कीमत निकालने के लिए समुद्री भाड़ा, समुद्री बीमा, निर्यात के देश में अंतर्देशीय परिवहन, पत्तन हैंडलिंग और पत्तन प्रभार, कमीशन इत्यादि के बारे में कीमत समायोजनों का दावा किया गया है। संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के लिए निर्यात कीमत और दावा किए गए समायोजनों के पर्याप्त साक्ष्य हैं।

7. पाटन मार्जिन: इस बात के पर्याप्त साक्ष्य हैं कि संबद्ध देशों में संबद्ध वस्तुओं का सामान्य मूल्य निवल निर्यात कीमत से काफी अधिक है जो प्रथम दृष्टया यह इंगित करता है कि संबद्ध देशों से निर्यातकों द्वारा पाटन किया जा रहा है।

8. क्षति एवं कारणात्मक संबंध याचिकाकर्ताओं ने घरेलू उद्योग के लिए पाटित आयातों की मात्रा में वृद्धि के कारण उनके बाजार हिस्से में आई गिरावट, गंवाई गई बिक्रियों और लाभ प्रदत्ता में आई भारी गिरावट के रूप में कथित पाटन के परिणामस्वरूप हो रही क्षति के संबंध में साक्ष्य प्रस्तुत किए हैं। प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन, ताइपेई के निर्यातकों द्वारा स्थापित की गई क्षमता और संबद्ध वस्तु की मुक्त रूप से निपटान योग्य पर्याप्त उपलब्धता के साथ-साथ भारत में संबद्ध वस्तु की विद्यमान प्रचलित कीमत के कारण कीमत ह्रास और कीमत कटौती के रूप में घरेलू उद्योग को

वास्तविक क्षति का खतरा उत्पन्न होता है। संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण याचिकाकर्ता द्वारा उठाई जा रही वास्तविक क्षति के प्रथम दृष्टया पर्याप्त साक्ष्य हैं।

9. **पाटनरोधी जांच की शुरुआत:** पूर्वोक्त पैराग्राफों को देखते हुए, प्राधिकारी संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु आरोपित पाटन की मौजूदगी, उसकी मात्रा और उसके प्रभाव की पाटनरोधी जांच शुरु करते हैं।

10. **जांच की अवधि:** वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ जांच की अवधि 1 जनवरी, 2002 से 30 सितम्बर, 2002 तक की है।

11. **सूचना प्रस्तुत करना:** संबंधित समझे जाने वाले निर्यातकों और आयातकों तथा घरेलू उद्योग को अलग से लिखा जा रहा है ताकि वे निर्धारित ढंग से और निर्धारित प्रपत्र में सभी संगत सूचना प्रस्तुत कर सकें। वर्तमान जांच में शामिल होने के लिए कोई अन्य हितबद्ध पार्टी निम्नलिखित पते पर लिख सकती है:-

निर्दिष्ट प्राधिकारी,

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

भारत सरकार,

वाणिज्य विभाग, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय,

उद्योग भवन, नई दिल्ली-110011

12. **समय सीमा:** वर्तमान जांच से संबंधित कोई भी सूचना लिखित रूप से भेजी जाए जो उपरोक्त पते पर निर्दिष्ट प्राधिकारी के पास इस अधिसूचना के प्रकाशित होने की तारीख से 40 दिनों के भीतर पहुंच जानी चाहिए। यदि निर्धारित समयावधि के भीतर कोई सूचना प्राप्त नहीं होती है अथवा अधूरी सूचना प्राप्त होती है तो प्राधिकारी उपरोक्त नियमों के अनुसार रिकार्ड में उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं।

13. **सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण:** नियम 6(7) के अनुसार कोई भी हितबद्ध पार्टी उस सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण कर सकती है जिसमें अन्य हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्यों के अगोपनीय अंश रखे गए हैं।

14. सभी हितबद्ध पार्टियां उपरोक्त नियमों के नियम 7(1) के अनुसार उपलब्ध की गई गोपनीय सूचना के लिए नियम 7(2) के अनुसार गोपनीय सारांश उपलब्ध कराएंगी।

15. यदि कोई हितबद्ध पार्टी आवश्यक सूचना जुटाने से मना करती है या उचित समय के भीतर उसे अन्यथा उपलब्ध नहीं कराती है या महत्वपूर्ण ढंग से जांच में बाधा डालती है तो प्राधिकारी, अपने पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं तथा केन्द्रीय सरकार को यथोचित सिफारिशें कर सकते हैं।

एल. वी. सप्तऋषी, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

INITIATION NOTIFICATION

New Delhi, the 8th October, 2002

Subject : Initiation of Anti-Dumping investigation concerning imports of Caustic Soda from Chinese Taipei, Indonesia and EU excluding France.

No. 14/39/2002-DGAD.—M/s Alkali Manufacturers Association of India (AMAI), Delhi on behalf of the Domestic industry has filed a petition, in accordance with the customs Tariff (Amendment) Act, 1995 and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on dumped articles and for determination of duty) Rules, 1995 before the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority) alleging dumping of Caustic Soda from Chinese Taipei, Indonesia and EU excluding France (hereinafter called subject countries) and has requested for Anti-Dumping investigation and levy of Anti-Dumping Duties retrospectively from the date of initiation of investigation.

1. **Domestic Industry:-** The petition has been filed by M/s. Alkali Manufacturers Association of India (AMAI), Delhi on behalf of the domestic industry. The Association represents most of all the domestic manufacturers of Caustic Soda in India. The petition has been expressly supported by the following domestic producers, i.e. M/s. DCW Ltd., Mumbai, M/s. Gujarat Alkalies & Chemicals Ltd., Baroda, M/s. Search Chem. Industries Ltd., Mumbai, M/s. Grasim Industries Ltd., Nagada (MP), M/s. SIEL Chemical Complex, Punjab, M/s. Bihar Caustic & Chemicals Ltd., Jharkhand, M/s. Jayshree Chemicals Ltd., Orissa and M/s. Andhra Sugars Ltd., Tanaku,. These petitioners companies represents 40.09% of the subject good under production and with support of M/s. Indian Petrochemicals Corporation Ltd., Vadodara, M/s. Standard Alkali, Mumbai, and M/s. DCM Shriram Consolidated Ltd., New Delhi they represent 55.67%. As per the evidence available petitioners have the standing to file the case for anti dumping investigation on behalf of domestic industry as per rule 5 of Anti Dumping Rules.

2. **Product under consideration:-** The product under consideration is known as Sodium Hydroxide Commonly known as Caustic Soda (hereinafter referred to as subject goods). It is chemically known as NaOH.. It is an inorganic chemical and is soapy, strongly alkaline odorless chemical. Caustic Soda finds application in various fields like manufacture of pulp and paper, newsprint, viscose yarn, staple fiber, aluminum, cotton, and laundry soaps, detergent, dyestuff drugs and pharmaceuticals, vanaspati, petroleum refining, etc. Caustic Soda is available in two forms i.e. Lye and solids. The present investigation covers all forms of Caustic soda. Caustic Soda is classified under chapter 28 of the customs sub-headings 2815.11 and 2815.12 of custom tariff Act, 1975. The classification is, however indicative only and is in no way binding on the scope of the present investigation. Petitioners have requested to initiate the anti dumping investigation against the product under consideration irrespective of the types/grades under which they are being imported.

3. **Countries involved:** The countries involved in the present investigation are Chinese Taipei, Indonesia and EU excluding France (hereinafter referred to as subject countries).

4. **Like articles:** Caustic Soda produced by the domestic industries and imported from subject countries are comparable in terms of characteristic functions, uses, product specification, pricing, distribution and marketing, and tariff classification of the goods. The two are technically and commercially substitutable and it is used interchangeably. Therefore, for the purpose of investigation the Caustic Soda produced by the petitioner is being treated as **like product** of Caustic Soda (hereinafter referred to as subject goods) imported from subject countries within the meaning of the Anti Dumping Rules.

5. **Normal value:** The Authority notes that the petitioner has claimed normal value of subject goods in Chinese Taipei, Indonesia, and EU excluding France on the basis of information provided by the petitioner from leading International journal, i.e., Chlor Alkali. Chlor Alkali reports the prices of Caustic Soda in the domestic market in Chinese Taipei, Indonesia, and EU excluding France. Thus the authority has prima facie, consider the normal value of the subject goods in subject countries on the basis of constructed cost of production as made available by the petitioner and it has been considered by the Authority for the purpose of initiation.

6. **Export Price:** The export price has been claimed on the basis of data obtained from Director General Commercial Intelligence and Statistics, Kolkata and compiled from secondary sources. Price

adjustments have been claimed on account of Ocean freight, marine insurance, inland transportation in the country of exports, port handling and port charges, commissions etc to arrive at the net export price. There is sufficient evidence of export price and the adjustments claimed for the subject goods from the subject countries.

7. **Dumping margin:** There is sufficient evidence that the normal value of the subject goods in the subject countries is significantly higher than the net export price indicating prima-facie that the subject goods are being dumped by the exporters from the subject countries.

8. **Injury and Causal Link :** The petitioners have furnished evidence regarding the injury having taken place as a result of the alleged dumping in the form of fall in their market share because of increased volume of dumped imports, decline in sales volume and utilisation of capacity, lost sales and substantial decline in profitability for the domestic industries. The Authority notes that the installed capacity and availability of sufficiently freely disposable subject goods by the exporters of Chinese Taipei coupled with the prevailing offer price of subject good in India, pose a threat of material injury to the domestic industry by way of price suppression and undercutting. There is prima-facie sufficient evidence of the material injury being suffered by the petitioner caused by dumped imports from subject countries.

9. **Initiation of Anti-Dumping investigation:** The Authority in view of the foregoing paragraphs, initiates anti-dumping investigation into the existence, degree and effect of alleged dumping of the subject goods originating in or exported from the subject countries.

10. **Period of investigation:** The period of investigation for the purpose of present investigation is 1st January 2002 to 30th September 2002.

11. **Submission of information:** The exporters and importers known to be concerned and domestic industry are being informed separately to enable them to file all information relevant in the form and manner prescribed. Any other party interested to participate in the present investigation may write to:

The Designated Authority
(Directorate General of Anti-Dumping & Allied Duties)
Government of India
Ministry of Commerce & Industry
Udyog Bhavan, New Delhi-110011.

12. **Time limit:** Any information relating to this investigation should be sent in writing so as to reach the Authority at the above address not later than 40 days from the date of publication of this notification. If no information is received within the prescribed time limit or the information received is incomplete, the Authority may record their findings on the basis of the facts available on record in accordance with the Rules supra.

13. **INSPECTION OF PUBLIC FILE:** In terms of rule 6(7) any interested party may inspect the public file containing non-confidential versions of the evidence submitted by other interested parties.

14. All interested parties shall provide a confidential summary in terms of Rule 7 (2), for the confidential information provided as per Rule 7 (1) of the Rules supra.

15. In case any interested party refuses access to and otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Authority may record its findings on the basis of the facts available to it and make such recommendations to the Central Governments as deemed fit.

L. V. SAPTHARISHI, Designated Authority